Vol 3 Issue 1 Feb 2013

ISSN No : 2230-7850

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor

Ashok Yakkaldevi

Editor-in-chief

H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Indian Streams Research Journal
Volume 3, Issue. 1, Feb. 2013
ISSN:-2230-7850

Available online at www.isrj.net

ORIGINAL ARTICLE

''कृष्णा सोबती के कथा साहित्य में नारी की बदलती स्थिति''

निधि सैनी

प्रवक्ता
हिन्दु गर्ल्ज़ कॉलेज, जगाधरी

सारांशः

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता''

नारी का स्थान समाज में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। नारी पूरे परिवार की धुरी होती है। शरीर का संचालन करने में जैसे रीढ़ की हड्डी का महत्त्व है वैसे ही परिवार का सुचारू रूप से संचालन नारी द्वारा किया जाता है। प्राचीन काल में नारी को महत्त्पूर्ण स्थान प्राप्त था। गार्गी, मैत्रयी जेसी विदूषी नारियों ने वेदों का अध्ययन, आध्यात्मिक चर्चा आदि में पुरूष के साथ बराबर सहयोग दिया। कोई भी धार्मिक अनुष्ठान नारी के बिना सम्पूर्ण नहीं माना जाता था।

प्रस्तावना :–

नारी की स्थिति में धीरे–धीरे परिवर्तन आने लगा और उसे अधिकारों से वंचित किया जाने लगा। वह मुगलकान में केवल भोग्य वस्तु बनकर रह गई। उसे पर्दे में रखा जाने लगा और पुरूष उसे पांव की जूती समझने लगे।

आधुनिक काल में नारी की स्थिति सुधरने लगी। राजा राममोहन राय, केशव कर्वे, महादेव गोविन्द रानडे, ज्योतिबा फुले, छत्रपति साहू, डॉ0 अम्बेडकर आदि ने नारी को शिक्षित करने के लिए विशेष प्रयत्न किया और उनके प्रयत्नों के फलस्वरूप नारी की स्थिति में सुधार आया प्राचीन युग की गार्गी, मैत्रेयी से लेकर मीरा, महादेवी तक का यह सफर प्रशसनीय है।

पूर्व प्रेमचन्द युग एवं प्रेमचन्द युगीन ग्रामीण नारी शोषण का शिकार बनती रही। यह घर गृहस्थी में फंसी स्वतंत्र रूप से अपनी भूमिका का निर्वाह न कर सकी, परन्तुनगरीय जीवन जीने वाली नारी की स्थिति अच्छी थी। वह पुरूष के कंधे से कंघा मिलाकर कार्य करने लगी। प्रेमचन्दोत्तर युगीन नारी जीवन में काफी परिवर्तन आया। प्रसाद के कथा–साहित्य में नारी के सशक्त रूप का चित्रण किया गया। 'आकाशद्वीप' कहानी की चंपा 'पुरस्कार' कहानी की मधुलिका राष्ट्र प्रेम के लिए व्यक्तिगत प्रेम को ठुकरा देती है। इस युग की नारियाँ सशाक्तिकरण की मिसाल कायम करने में अग्रणी रही है।

आधुनिक युगीन कथा–साहित्य में नारी की बदली भूमिका उभरकर सामने आ रही है। कृष्णा सोबती, मनु भण्डारी, माली जोशी, ममता, कालिया, जैनेन्द्र, मोहन राकेश आदि की कहानियों में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं का चित्रण किया गया। मेहरून्निसा परवेज की कहानी 'हत्या एक दोहपर की' में नुपूर बड़ी दंबग और बेवाक रूप से सामने आई। रमेश बत्तरा की कहानी 'कुँए की सफाई' नारी की एकन्ष्ठिता की कहानी है। वह संघर्ष करती हुई अपने बेराजगार पति के शोध–कार्य के लिए पैसा जुटाती है। डॉ..सी वसन्ता की कहानी 'सबक' नारी सशक्तिकरण की एक वैचारिक क्रांति के रूप में देखी जा सकती है। मालती जोशी की कहानी 'अग्निपथ चंदा के मन में संघर्ष करने की अदम्य इच्छा' दृढ़ संकल्प, चरित्र की गरिमा और नई ऊंचाईयों को छूने का प्रयास दिखाती है। रांगेय राघव की कहानी 'गदल' की नायिका गदल अत्यंत दृढ़ एवं संघर्षशील व्यक्तित्व की स्त्री है, उसमें जितना विद्रोह है, उतनी प्रेम की स्निग्घता एवं तरलता भी है।

कृष्ण सोबती का कथा–साहित्य अधिकतर नारी को लेकर लिखा गया है। 'जिन्दगीनामा' तथा 'डार से बिछुड़ी' में जहां उन्होंने नारी को घर गृहस्थी तक ही सीमित दिखाया है, वहां अपनी अन्य कहानियों एवं उपन्यासों में नारी के स्वतंत्र रूप को भी उजागर किया है। 'मित्रों मरजानी' की नायिका मित्रों उन्मुक्त व्यक्ति की स्वामिनी है। वह अन्य स्त्रियों की भाँति न तो छुई–मुई लज्जा शीन नारी है, बल्कि इन सबसे ऊपन उठकर वह अपने स्वच्छंद विचारों को सबके समझ कहती रहती है। इस लम्बी कहानी के विषय में अमृता शेरगिल ने अपने विचार इस प्रकार प्रकट किए– 'मित्रों एक सभ्य परिवार की बहू है, पर बहू बने रहने के तौर तरीके उसे सख्त नापसंद है। उसका उन्मुक्त व्यक्तित्व उन दीवारों से कहीं ऊँचा और पारदर्शी है, जिसे परम्परावादी मूल्यों के ईंट गारे से खड़ा किया गया है। इसी से वह विवादास्पद है। घर परिवार में भी और हिन्दी कथा–साहित्य में भी।

कृष्ण सोबती ने मित्रों के रूप में एक ऐसी नारी को चित्रित किया है, जो समर्पिता होते हुए भी गृहणी की आकांक्षा रखती है। अन्तर केवल इतना है कि उसकी समर्पण भावना अन्त में प्रबल हो उठती है। इसके विषय में लेखिका ने अपने विचार इस प्रकार प्रस्तुत किए हैः– 'मित्रों मरजानी एक खुली–डुली जिन्दा गरमाहट थी, जो अपने खुलेपन में कुलीनता के चौखटे से टकरा गई। मित्रों को जानने के लिए मुझे न केवल वर्ग के खेल से परिचित होना था, मुझे गोढ़ना था उस वर्ग की जड़ों तक को, ताकि वह सब जान सकूँ, जो आँख से दिखता है, जो[2] नहीं दिखता। इसी उपन्यास के अन्य नारी पात्र मंझली बहू और छोटी बहू फूलांवन्ती भी अपने स्वच्छन्द विचारों को अभिव्यक्त करती रहती है।

कृष्ण सोबती स्वयं एक नारी है। सजाम में नारी जीवन में अपने वाली विभिन्न समस्याओ को उन्होंने बहुत करीब से देखा और उसे उजागर करने के लिए वह विचलित हो उठी। 'सूरजमुखी अंधेरे के' की नायिका रत्ती यघपि पहले पुरूष की वासना का शिकार बनती है फिर वह विद्रोही रूप धारण कर लेती है। उसमें मन में पूरी पुरूष जाति के प्रति घृण एवं विद्रोह की भावनार जागृत हो उठती है और वह अपनी उस प्रवृत्ति को दबा नहीं पानी इसलिए एक स्थान पर उत्तेजित हो कशी से कहती है–'किसलिए––– तुम ऐसी सर्द बेरहर्मी से मेरी ही लिए मुझे 'डीफाइन' किया करते हो। मुझे ही टाइप कर, मेरी टाइप कॉपी मेरे सामने डाले चले जाते[3] है।

Title : *''कृष्णा सोबती के कथा साहित्य में नारी की बदलती स्थिति''*
Source:Indian Streams Research Journal [2230-7850] *निधि सैनी* **yr:2013 vol:3 iss:1**

ऐसा व्यवहार वह केवल केशी से ही नहीं करती, बल्कि अन्य पुरूषों के साथ भी क्रोध एवं वितृष्णा से बात करती है।

कृष्णा सोबती ने अपनी कृति 'जैनी मेहरबान सिंह' में जैनी के प्रभावशाली व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला है। जैनी पढ़ी–लिखी एक विदेशी युवती है, परन्तु उसके पिता का संम्बंध भारत के एक छोटे से गांव से रहा है। पिता की इच्छाा को पूरा करने के लिए वह गाँव में एक चिकित्सालय खुलवाना चाहती है और गाँव के लोगों के समष अपने विचार व्यक्त करते हुए कहती है– ''हां–अब नहर किनारे वाली पुरानी हवेली में पपा की मर्जी के मुताबिक अस्पताल खुल रहा है। आप सब लोगों की मदद दरकार[4] है''

यहाँ हम देखते है कि जैनी गाँव के उस रूप को बदल कर प्रगति के पथ पर ले जाना चाहती है। वह लोगों को सुख–सुविधाएं देने का प्रयास करती है। जैनी समाज सेविका के रूप में उभरकर सामने आती है। उसके विषय में यह कहना उचित ही होगा कि वह निर्भीक निडर एवं स्वच्छंद विचारों वाली चुवती है। वह अधविश्वास एवं रूढियों को नहीं मानती।

निष्कर्षतः यहा कहा जा सकता है कि कथा–साहित्य में नारी की बदली हुई भूमिका पर विभन्न लेखकों ने विपुल साहित्य की रचना की है। आज की नारी घर–गृहस्थी तक ही सीमित नहीं रही बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी बढ–चढ कर भग ले रही है। चाहे वह ज्ञान विज्ञान का क्षेत्र हो, तकनीकी क्षेत्र हो बल्कि बैंको, दफ्तरों अस्पतालों में काम करते हुए समाज की उन्नति के लिए वह महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।
कथा–साहित्य लेखन में नारी के इस बदलते रूप को देखा जा सकता है। कृष्ण सोबती की भूमिका इस क्षेत्र मे सराहनीय है।

सन्दर्भ ग्रंथः–

1.अमृता शेरगिलः 'मित्रो मरजानी', आवरण पृष्ठ
2.कृष्णा सोबतीः 'हम हशमत', पृष्ठ256
3.कृष्णा सोबतीः'सूरजमुखी अंधेरे के', पृष्ठ36
4.कृष्णा सोबतीः'जैनी मेहरबान सिंह', पृष्ठ 87

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net